(b) The TNV was declared as unlawful under the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 on 4.2.87. Under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 the whole of Tripura was declared as 'disturbed area' on 29.1.88. The Army has assumed overall command and control of the counter-insurgency operations. A Major General of the Army has been designated as the Task Force Commander with headquarters at Agartala.

Charas seized in Delhi

794. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 652 kg. of charas worth Rs. 20 crores has recently been seized by the Delhi Police;

(b) if so, what are the details in this regard and the estimated value of charas seized in the Capital during the year 1986-87; and

(c) what action has been taken by Government aginst the culprits in each case and the steps being taken to curb such type of crimes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PRESONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) 657 kgs. charas was recovered by the Crime Branch of Delhi Police in the 1st week of February, 1988.

During the year 1986-87, 1479 kgs 470 Gms. Charas was seized in Delhi and its value in the International Market is about Rs. 44 crores.

(c) During 1986-87, 491 cases have been registered and 503 persons arrested in these cases. Out of the 486 cases challaned, there has been conviction in 9 cases, acquittal in 60 cases and 417 cases are pending trial. A constant watch is maintained on the suspects and close liason is maintained with other enforcement agencies.

हिन्दी भाषा का प्रसार

795. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "क" और "ख" क्षेत्रों मे राजभाषा अधिनियम की पूर्णत: अवहेलना करते हुए, अंग्रेजी रोमन लिपि के कम्प्यूटरों, टैलेक्स मशीनों और टेलीप्रिन्टरों जैसे दर्जनो आधुनिक यंत्रों के आगमन और अबाधित प्रयोग के फलस्वरूप हिन्दी के प्रसार का कार्य वर्षों पीछे पड़ गया है और जहा भी टलैक्स मशीनें लगायी गई हैं वहां से एक भी तार हिन्दी में नहीं भेजा गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "क" क्षेत्रों में अंग्रेजी के टंकन यंत्रों आदि की तुलना में देवनागरी के टंकन यंत्रों, टंककों और आशुलिपिकों की संख्या नहीं के बराबर है जबकि उनकी संख्या 50 : 50 होनी चाहिए थी ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और हिन्दी भाषा के प्रसार के लिये क्या नए कदम उठाए गये हैं ?

वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग में राज्य मंत्री (श्री बी० के० गढ़वी) : (क) जी, नहीं। सरकारी कामकाज में राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय में आधुनिक यंत्रों की संख्या सीमित है और उनमें से कुछ द्विभाषी रूप में भी उपलब्ध हैं। सभी संबंधितों को इस बात के अनुदेश भी जारी किए गए हैं कि वे भविष्य में द्विभाषी उपकरण खरीदें। टेलेक्स की व्यवस्था अभी केवल अंग्रेजी में ही है। तार भेजने की स्थिति में निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते के भी निर्देश जारी किए गए हैं।